बिहार-विधान-सभा-वादवृत ।

तिथि ४ फरवरी, १९५३ ।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में बुधवार, तिथि ४ फरवरी, १९५३ को पूर्वाह्न ११ बजे में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ ।

तारांकित प्रश्नोत्तर ।

STARRED QUESTIONS AND ANSWERS.

बड़दीत ग्राम में बालिका मिड्ल स्कूल ।

*९१ । श्री बाबूलाल टुड्डू—क्या मंत्री, शिक्षा-विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि जिला संथाल परगना के थाना बड़दीत, ग्राम बड़दीत में लड़कियों के लिये मिड्ल स्कूल का मकान बनाया जा रहा है और उस स्कूल बिल्डिंग का ठीकेदार श्री हिरदानन्द भगत हैं ;

(ख) क्या यह बात सही है कि १९५१ के मार्च महीने से मकान बनाया जा रहा है ;

(ग) यदि खंड (क) और (ख) के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो मकान कबतक बनेगा ?

श्री बदरीनाथ वर्म्मा—(क) जी हां, यह बात सही है कि ग्राम बड़दीत में लड़कियों के लिए मिड्ल स्कूल भवन का निर्माण किया जा रहा है और निर्माण कार्य के लिए एक समिति बनाई गई है और उसके प्रधान श्री हिरदानन्द भगत हैं ।

(ख) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(ग) भवन के निर्माण का कार्य सरकार के कल्याण विभाग द्वारा अनुदान मिलने पर पूरा हो सकेगा । अनुदान के विषय में कल्याण विभाग यथोचित कार्रवाई कर रही है ।

श्री बाबूलाल टुड्डू—क्या सरकार यह बतायगी कि यह काम कब तक पूरा हो जायगा ?

श्री बदरीनाथ वर्म्मा—कब तक यह काम पूरा हो जायगा, यह अन्दाजा लगाना मुश्किल है लेकिन यह कोशिश की जा रही है कि यह जल्द से जल्द पूरा हो जाय ।

घटियारी में मिड्ल स्कूल ।

*९२ । श्री बाबू लाल टुड्डू—क्या मंत्री, शिक्षा-विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि जिला संथाल परगना, राजमहल सबडिवीजन के थाना बड़दीत, मौजा घटियारी में मिड्ल स्कूल है ;

श्री हरिनाथ मिश्र—सेकन्ड अफसर के जरिए तहकीकात कराई गयी है और इस सम्बन्ध में रिपोर्ट मांगी गयी है।

श्री हरिहर प्रसाद सिंह—क्या तहकीकात गेहूं के बाहर जाने के पहले हुई थी या बाद में ?

श्री हरिनाथ मिश्र—पहले तहकीकात कैसे हो सकती थी।

श्री हरिहर प्रसाद सिंह—तो फिर बाद में तहकीकात कैसे हुई जब गेहूं बाहर चला गया ?

श्री हरिनाथ मिश्र—स्थानीय स्टेशन से एवं कनफिडेन्शियल रूप से।

श्री हरिहर प्रसाद सिंह—सरकार को किस तारीख को इसकी सूचना मिली कि गेहूं बाहर भेजा जा रहा है ?

श्री हरिनाथ मिश्र—तारीख के सम्बन्ध में इस समय निश्चित रूप से उत्तर नहीं दे सकता हूं।

श्री सिदिक हेम्ब्रोम—सरकार को यह मालूम था कि वह गेहूं खराब था तो फिर ऐसे खराब गेहूं को बाहर भेजने में क्यों सरकार रुपये खर्च करती है ?

श्री हरिनाथ मिश्र—खराब गेहूं की श्रेणियां होती हैं जिनमें कुछ ऐसे भी गेहूं होते हैं जिन्हें मनुष्य खा सकते हैं।

श्री सिदिक हेम्ब्रोम—क्या मैं यह समझूं कि गेहूं जो बाहर भेजा गया है वह मनुष्य के खाने के लिये भेजा गया है ?

श्री हरिनाथ मिश्र—हां, इसीलिए भेजा गया है।

TRANSFER OF THE OFFICE SUPERINTENDENT OF PATNA RATIONING OFFICE.

*102. **Shri NAND KISHORE NARAIN :** Will the Minister in charge of the Supply and Price Control Department be pleased to state—

(*a*) whether it is a fact that all officials working under Patna Rationing are transferred from one place to another at certain intervals ; if so, the reasons for continuance of Office Superintendent for a continuous period of ten years ;

(*b*) whether it is a fact that the said Office Superintendent has been taken from the Patna Collectorate, if so, whether the Special Officer in ten years has ever requested the District Magistrate to transfer the present Office Superintendent by giving a substitute ;

(*c*) if the answer to clause (*b*) be in the affirmative, what is the reply of the District Magistrate ?

Shri HARINATH MISRA : (*a*) There is no such rule or practice requiring transfer of officers from one place or post to another, unless it becomes necessary in the interest of public service or the officer is found unsuitable for a particular post.

(*b*) The answer to the first part of the question is in the affirmative and to the second part in the negative.

(*c*) Does not arise.

ISSUE OF FOODGRAINS TO A MINOR RATION STOKIST.

*103. **Shri NAND KISHORE NARAIN :** Will the Minister incharge of Supply and Price Control Department be pleased to state—

(*a*) whether it is a fact that huge stock of foodgrains worth ruppes four to five lacs has been issued from Government godowns of Patna for many years against foodgrains licence issued in the name of a boy of about 2 or 3 years of Patna City to save him from legal action even when he indulges in blackmarketing ;

(*b*) whether it is a fact that the present (1) Office Superintendent Mr. Alley Navi, (2) S. S. Mr. Bimal Pd. and (3) A. R. O. Mr. Nawal Kishore who were mainly responsible for the issue of the licence have enjoyed private shares of income from that ration shop ;

(*c*) if the answer to clause (*b*) be in the negative, the names of officers responsible for the issue of that licence ;

(*d*) the name of the Inspector, if any, who submitted report against that licensee and the action taken thereon ?

Shri HARINATH MISRA : (*a*) Stocks from retail sale by the ration shop keeper was issued to him from Government stock regularly according to the periodical indents submitted by him, as checked and passed by the Section Superintendent concerned. It is not possible to determine the money value of such issues made from the year 1944. The fact that the ration shop keeper was a minor was not known to the rationing authority as licences used formerly to be issued from the District Magistrate's office. When it was brought to the notice of the rationing authorities, his licence was cancelled and the ration shop taken away from him.

(*b*) The answer is in the negative.